

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 289

- 9.7 The passing out B. Tech. students, PG and Phd students will have to vacate hostel latest up to the date of 30th June of calendar year for UG and PG and PhD as per submission status.
- 9.8 Every student shall be personally responsible for the safe up-keep of the furniture and other items supplied to him/her and will be charged for any damage or loss caused by design or negligence during the occupancy of the room. All the hostel residents will themselves be responsible for taking care of their valuables and belongings.
- 9.9 Every student must pay the mess bill by the due date, announced by the Warden. Failure to deposit the dues in time may result in fine or such other penalty as the Warden may deem fit. Even the registration of a student may be cancelled in case of failure to clear the mess dues within prescribed due date.
- 9.10 Hostel residents shall respect the right of each individual to express his/her ideas, pursue his/her interests and follow the style of life most meaningful to him /her without hurting /disturbing the other hostel residents. However, political campaigning is prohibited.
- 9.11 Visitors and persons of the opposite sex are strictly prohibited to enter the residential blocks of the Hostels. Other visitors like parents etc will be allowed to visit only during visiting hours and in reception lobby only.
- 9.12 Use of liquor, drugs, or any other intoxicants in the Hostels and all premises is strictly prohibited. Also carrying out publishing, disseminating, viewing Porn and other illegal material on social media is strictly prohibited. Any kind of video shooting of group fights, physical abuse and any matter leading to disrepute to the institute is strictly prohibited. No Kind of Ragging is allowed in the hostel and premises of the institute.
- 9.13 Every resident shall comply with all the rules and regulations of the Hostels as may be in force from time to time. The Institute shall take necessary actions against the defaulters.

[F. No. 52-2/2017-TS.I]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Addl. Secy. (TE)

का 23), क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठत धारा 33 (ारा दश
तय+ का योग करते ,ए, शासी बोड के अनुमोदन से सीनेट, भारतीय सूचना ौोगिक सं थान, गुवाहाटी के िन।
निलिखत अ3 यादेश बनाती है ।

1.1)येक शै>णिक स? लगभग 18 सQाह क अविध के दो छमाही म@ विभाजित है- मानसून छमाही और शीतकालीन छमाही (येक छमाही म@ कम से कम 70 काय दवस ह+गे) शै,णिक कल9डर1.संथान (ारा तुत सभी बी.टेक पामYमिनहिलिखत बी.टेक अ3यादेश+ के अधीन है।2.इन काय Yम+ के तहत भिवाय म@ ारंभ कए जानेवाले कसी भी अपय नवीन विभाग+पर भी यह बी.टेक अ3यादेश 3.इन अ3यादेश+ (ारा िनधा &रत सभी शै>णिक आवक्यकताX को पूरा करने के बाद ही कसी छा? को बी.टेक क4.संथान म@ बी.टेक क िनहिलिखत शाखाएँह+गी:लागू ह+गे ।डिबी ाQ करने के यो य माना जाएगा । कंप्यूटर विLान एवं अभियांि?कइले
□ॉनि

स एवंसंचार अभियांि?क3821(अ).—भारतीय सूचना ौोगिक संथान (साव जिनक-िनजी भागीदारी) अधिनयम,
2017 (2017 नई द ली, 23 अ

तूबर, 2019पामहेतु अ8यादेशअधिसूचना

1.2 इसके अलावा, गKमय+ के अवकाशके दौरान एक और छमाही भी आयोजित किया जा सकता है, िजसे bीमकालीन छमाही कहा जाता है । 1.3 स? क शै>णिक गितिविधय+ हेतु सीनेट (ारा अनुमोदत अनुसूची का समावेशन स? के शै>णिक कैल@डर म@ रहेगा िजसम@ पंजीकरण क तारीख@, म3य छमाही और अंत छमाही परी>ाँ, इंटर छमाही अवकाश आद शामिल हH । वेश2.1 अवर [ातक पामYम क)येक शाखा म@ सीट+ क संया का िनधा रण, िजनका दाखिला भा.सू.ौ.स. गुवाहाटी म@ किया जाना है, भा.सू.ौ.स. गुवाहाटी क सीनेट (ारा किया जाएगा। भारत सरकार (ारा समय-समय पर जारी िनद□श+ के अनुसार अपय िपछड़ा वग , अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शारी&रक ऒप से अ>म उ1मीदवार+ के िलिए सीट@ आरि>त हH

1.2.2 कसी भी वष म@ बी.टेक पा॥म॥म म@ दा॥खिला भारत सरकार के आदेश+ के अनुसार कया जाएगा। वत मान म@ क@॥ीय वेश बोड (सीबीएसई) के दशा॥नद॥श+ के अनुसार संयु॥ वेश परी॥ा (जेईई) मु॥य और एचएससी परी॥ा X म@ दश न के आधार पर संबंधित वष के िलए सीएसएबी (ारा आयोजित परामश सेवाके मा॥यम से इसे दया जाता है।2.3) येक छा?, िजसने संथान के कसी भी पा॥म॥म म@ अथायी तौर पर या अप॥य ०प से वेश ाQ कया हो, सीनेट (ारा िनधा &रत यो यता िडबी/अनं॥ितम माण प? और ऐसे अप॥य दतावेज+ क ितयां तुत करेगा। ये दतावेज िनधा &रत ितिथ तक जमा करने आव॥क ह॥। अथायी या अनं॥ितम वेश ाQ कोई भी छा? यद िनधा &रत ितिथ तक आव॥यक दतावेज तुत नह॥ करता है या वेश के िलए कसी अप॥य िनधा &रत आव॥यकता को पूरा करने म@ िवफल रहता है, तो उसके वेश को सीनेट (ारा र॥ कया जा सकता है।2.4 यद यह पाया जाता है क छा? (ारा वेश के दौरान कोई गलत जानकारी दी गई थी या कसी मह॥वपूण जानकारी को छुपाया गया था तो कसी भी छा? के वेश को सीनेट (ारा कसी भी समय या बाद म@ र॥ कया जा सकता है।2.5 संथान कसी भी छा? के वेश को र॥ करने का अधिकार सुरि॥त रखता है और उसके असंतोषजनक शै॥णिक दश न या अनुशासना॥मक आधार पर उसके क&रयर के कसी भी चरण म@ उससे अपनी पढ़ाई बंद करने को कहा जा सकता है।3.1 (क) छा?+ के िलए यह आव॥यक है क वे अपनी सभी क॥ाX म@ (Zा॥यान, ॥ूटो&रयल, योगशाला, Zावहा&रक, काय शाला) िजसके िलए उपह@ पंजीकृत कया गया है, म@ उपिथत रह@।(ख) अपनी सभी क॥ाX म@ छा? उपिथत रह@। कसी भी छा? को अं॥ितम छमाही परी॥ा म@ बैठने से वं॥ित कया जा सकता है यद क॥ाX म@ उसक उपिथित 75 ितशत से कम पाई जाती है और उसे उस पा॥म॥म म@ "F" ढेड दान कया जाएगा।3.2 (क) छा?+ से अपे॥ा क जाती है क छमाही के दौरान वे संथान से दूर न जाएं।(ख) प&रवार म@ कसी नजदीक सदय क मु॥यु जैसे अटल अवसर पर छा? को जाने क अनुमित दी जा सकती है। कसी भी िथित म@ यह छु॥ी एक सQाह से अधिक नह॥ होगी।(ग) बीमारी के कारण अनुपिथित क अविध तीन सQाह से अधिक न हो, उचित अनुमित ा॥िQ के प॥ात छु॥ी दी जा सकती है। आपात िथित म@ यह अनुमित बाद म@ भी ाQ क जा सकती है और यद आव॥यकहो तो अभिभावक (ारा भी यह अनुमित ाQ क जा सकती है।(घ) यद कसी छमाही म@ अनुपिथित क अविध तीन सQाह से अधिक हो जाती है, तो छा? को उन सभी पा॥म॥म+ का प&र)याग कर वह छमाही छोड़ना होगा िजसके िलए उसे पंजीकृत कया गया है। सीनेट लंबे समय तक अनुपिथित रहने क अनुमित केवल िवशेष प&रिथितय+ और अनुपिथित काल के िलए छा? क >॥ितपूकृत क >मता सु॥नि॥त करने के प॥ात ही दे सकती है। (ड) अनुपिथित क अनुमित के अनु॥छेद 3.2 (क) से 3.2 (घ) म@ िनिहत ावधान हा॥िजरी क माफ के िलए नह॥ ह॥।उपिथित अनुपिथित क2 अनुमित

1Hkkx IIm[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 291

3.3 यह िज।मेदारीछा? क होगी क छु॥ी पर जाने से पहले वह हॉटल के वाड न, िजसम@ वह रहता/रहती है और संबंधित िश॥क+ को अपनी अनुपिथित के बारे म@ सू॥ित कर@।आचरण एवं अनुशासन 4.1 रा6 के िति॥त संथान का छा? होने के नाते वे संथान के प&रसर के अंदर और बाहर अपना उचित आचार-Zवहार कायम रख@गे।शाखा का परवत?न5.1 साधारणतः अवर ातक पा॥म॥म क कसी शाखा म@ छा? का वेश हो जाने पर वह छा? पा॥म॥म पूरा होने तक उसी शाखा म@ अपना अ॥ययन जारी रखेगा।5.2 हालांकि, िजिन छा?+ का वेश सीएसएबी के मा॥यम से, आ हो, संथान िवशेष मामल+ म@ पहले दो छमाही के बाद उपह@ पा॥म॥म क एक शाखा से दूसरे म@ बदलने क अनुमित दे सकता है। इस तरह के प&रवत न क अनुमित िना॥लिखत ावधान+ के तहत दी जाएगी। 5.3 दूसरे छमाही के बाद केवल उन छा?+ को शाखा/पा॥म॥म बदलने के यो य माना जाएगा, िजपह+ने पहले यास म@ ही अपने पा॥म॥म के दो सेमेटर+ के सभी आव॥यक सामा॥य Yे॥िडट पूरे कर िलए ह+ और उसम@ उ॥ीण हो गए ह+। 5.4 शाखा/पा॥म॥म के प&रवत न के िलए यो य छा? अपना आवेदन िनधा &रत प? म@ तुत कर@। शै॥णिक अनुभाग (ारा)येक शै॥णिक वष के दूसरे छमाही के अंत म@ आवेदन मांगा जाएगा और अधसूचना म@ िन॥द] अं॥ितम ितिथ तक फाम पूण ०प से भर कर जमा करना होगा। 5.5 छा? ाथिमकता के Yम म@ अपनी पसंद क शाखा/पा॥म॥म कोसूचीबR कर सकते ह॥, िजसम@ वे प&रवKतत करना चाहते ह॥। आवेदन जमा होने के बाद िवकप+ म@ फेरबदल करने क अनुमित नह॥ दी जाएगी।5.6 शाखा/पा॥म॥म म@ प&रवत न केवल आवेदक+ क यो यता Yम म@ ही कया जाएगा। इसके िलए दूसरे छमाही के अंत म@ ाQ सीपीआई पर िवचार कया जाएगा। बराबरी के मामले म@ आवेदक+ क जेईई र॥क पर िवचार कया जाएगा।5.7 आवेदक+ को शाखा/पा॥म॥म प&रवKतत करने क अनुमित केवल अंतर ि॥ता के आधार पर दी जाएगी, बशत॥ एक शाखा क सं॥या मौजूदा सं॥या से दस ितशत से कम न हो और वीकृत सं॥या से दस ितशत से अधिक न हो। 5.8

उपरो_ िनयम+ के अनुसार शाखा/पामYम म@ कए गए सभी प&रवत न संबंधित आवेदक+ के तीसरे छमाही से भावी ह+गे। इसके बाद शाखा/पामYम म@ कसी भी कार के प&रवत न क अनुमित नह□ दी जाएगी।5.9 शाखा/पामYम म@ कए गए सभी प&रवत न अंतिम ह+गे और आवेदक+ पर बा3यकारी ह+गे। कसी भी प&रिथित म@, कसी भी छा? को तावित शाखा / पामYम के कए गए प&रवत न को अवीकार करने क अनुमित नह□ दी जाएगी।6.1 पढ़ाए गए पामYम+ क गणना Yेडि□स म@ क जाएगी; िनहिलिखत सामापय पैटन के आधार पर पामYम+ के Yेडि□स तय कए गए हH: i. Zाियान क)येक क>ा के िलए दो Yेडिटii.)येक □ूटोरयल क>ा के िलए दो Yेडिटiii.)येक योगशाला या ायोगिक या प&रयोजना स? के ितघंटे के िलए एक Yेडिट।6.2 संधान क बी.टेक क डिबी हेतु अह ता ाQ करने के िलए छा? को कसी िवशेष पामYम के पामYम म@ िनधा &रत आव<यक Yेडिट को पूरा करना आव<यक है।6.3 सामापयतः कसी भी छमाही म@ छह से अधिक Zाियान आधा&रत पामYम और चार से अधिक योगशाला पामYम नह□ ह+गे। हालांकि, िवशेष मामल+ म@, छा?+ को सात Zाियान-आधा&रत पामYम लेने क अनुमित दी जा सकती है।6.4 मोटे तौर पर पामYम क आव<यकताX को िनहिलिखत चार मुंय समूह+ म@ िवभाजित कया जा सकता है: i. मानविक और समाज िवलानपाम संरचना

ii. िवलान और गणितiii. सामापय अभियांिक पामYमiv. Zावसायिक पामYम6.5 िवभाग के सकल पामYम पैकेज म@ िनहिलिखत घटक शामिल ह+गे: i. सामापय अभियांिक पामYमii. िवभागीय कोर पामYमiii. िवभागीय वैकिपक पामYमiv. संधागत वैकिपक पामYम (एचएसएसएछक सहित) 6.6) येक बी.टेक पामYम के िलए सीनेट (ारा अनुमोदत पामYम ह+गे।6.7 िनद□श, परी>ा और प&रयोजना ितवेदन क भाषा का मा3यम अंेजी होगी।6.8 संकाय सलाहकार : छा?+ को अ3ययन के िलए अपनेपामYम+ क योजना बनाने और उपह@ शै>णिक पामYम पर सामापय सलाह देने म@ मदद हेतु संबंधित िवभाग)येक छा? के िलए एक संकाय सलाहकार िनयु करेगा।पंजीकरण 7.1)येक छा? के िलए यह आव<यक है क वह)येक छमाही के आरंभ म@ पंजीकरण के िलए िनधा &रत और शै>णिक कैल@डर म@ अधसूचित क गई ितिथ को संकाय सलाहकार के मा3यम से अनुमोदत पामYम+ के िलए अपना पंजीकरण कर@। यद यह पाया जाता है क कपह□ िनयम+ का उलंघन हो रहा है या अनुशासना)मक कारण+ से उस पर ितबंध लगाया गया है तो एक या अधिक पामYम+ के पंजीकरण रq कए जा सकते हैं।7.2 अंतिम समय सीमा तक अपना पंजीकरण कराने म@ िवफल होने वाले छा?+ के िलए यह मान िलया जाएगा क उपह+ने पामYम के िलए छमाही से अपना नाम वापस ले िलया है और भिवत्थ क कार वाई छा? क िथित और इन अ3यादेश+ के ावधान+ पर आधा&रत होगी।7.3 केवल उन छा?+ को पंजीकरण करने क अनुमित दी जाएगी जो: (क) िपछले छमाही के िलए संधान, छा?ावास और पुतकालय का सभी बकाया और जुमा ना (यद कोई हो) चुकता कर चुके ह+, (ख) वत मान छमाही के िलए संधान और छा?ावास के सभी अपेि>त अभिम रािश का भुगतान कर चुक@ ह+, और (ग) कसी भी िविश] कारणवश पंजीकरण से वंचित न कए गए ह+।7.4 पंजीकरण के दौरान िनहिलिखत शतn पूरी होनी आव<यक हH : (क) तीसरे वष के पामYम हेतु पंजीकरण करने से पूव उस छा? को थम वष के सभी पामYम म@ उSीण होना आव<यक है।(ख) आम तौर पर, एक छमाही के दौरान पंजीकृत क गयी Yेडिट+ क संिया िनधा &रत Yेडिट से 70% से कम और 125% से अधिक नह□ होनी चाहिए।7.5 छा? संकाय सलाहकार क सहमित से और संबंधित पामYम िश>क+ और शै>णिक अनुभाग को सूचित कर कसी पामYम को जोड़ा जा सकता है और छोड़ा जा सकता है बशत□ यह शै>णिक कैल@डर म@ िलिखत ितिथ के भीतर और अनुछेद 7.3 म@ दी गई शत□ के अनुसार कया गया हो।पाम क2 अविध8.1 सामापयतः एक छा? पूव [ातक पामYम क सभी आव<यकताX को Yमानुगत आठ सेमेटर+ म@ पूरा करेगा। हालांकि,)येक छा? को कम से कम एक कोस , िजसके िलए उसे पंजीकृत कया गया हो, अधिकतम 14 िनयमित छमाही म@ पामYम को पूरा करना होगा, कुल िमलाकर 8 वष से अधिक नह□ होने चाहिए। यद इनम@ से कोई भी समय-सीमा पार हो जाती है, तो पामYम के िलए छा? क यो यता समाQ कर दी जाएगी।

¹Hkxx IIm[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vIk/kj.k 293

9.1 कसी छा? को, िजसका दाखिला संधान के पूव ातक पामYम म@ कराया गया है, को प&रवार म@ लंबी बीमारी या गंभीर आपदा के आधार पर एक छमाही या उससे अधिक क अविध के िलए संधान से अथायी ाप से अपना नाम वापस लेने क अनुमित दी जा सकती है, बशत□: (क) उसने छमाही शुO होने के कम से कम 6 सQाह के भीतर या िजस ितिथ से उसने अपनी क>ाX म@ भाग िलया हो, जो भी बाद म@ हो, इस वापसी का संपूण कारण बताते,ए समKथत सहायक दतावेज और अपने अभिभावक क सहमित सहित संधान म@ आवेदन करे; (ख)

संथान आत हो क वापसी क अविध को जोड़ते, ए उपयु_ अनुच्छेद 8 म@ दी गयी समय-सीमा के अंदर छा? के लिए बी.टेक क डिग्री क सभी आवकताX को पूरा कर पाने क पूरी संभावना है; (ग) संथान / छा?वास / विभाग / पुतकालय का कोई बकाया या कोई मांग शेष नह हो। 9.2 छा? जिसे अनुच्छेद 9.1 के ावधान+ के तहत संथान से अथायी िनकासी क अनुमित दी गई है, को उस समय तक उसे अपनी फस / शुक्र (पूशन फस और हॉटल बकाया को छोड़कर) का भुगतान करना होगा, जब तक उसका नाम रोल लिट म@ है। हालांकि, एक बार भुगतान क गई फस वापस नह क जाएगी। 9.3 साधारणतः अवर [ातक पामYम के छा? के तौर पर कसी भी छा? को उसके पाम-अविध के दौरान केवल दो बार ऐसी अथायी िनकासी क अनुमित दान क जाएगी। 10.1 कसी पामYम म@ छा? क शिथ्यता िनहिलिखत आधार पर समाQ क जा सकती है: (क) यद कोई छा? वीकृत छुकी के बगैर छमाही म@ 6 (छह) सQाह से अधिक समय तक अनुपिथत रहता है। (ख) अनुशासनात्मक आधार पर िनण य लिया गया हो। (ग) यह पाए जाने पर क दाखिले के समय झूठे दतावेज तुतकए गए हH या झूठी घोषणा क गई है। (घ) िनहानुसार सीपीआई ाQ करने म@ असफलता : i) पामYम म@ वर्ष के अंत म@ 1.50 का सीपीआई, ii) पामYम म@ दोसाल के अंत म@ 2.00 सीपीआई, iii) पामYम म@ तीन वर्ष के अंत म@ 2.50 सीपीआई और iv) पामYम म@ चौथे वर्ष के अंत म@ 3.00 सीपीआई (ङ) पामYम क अधिकतम अनुमेय अविध पार कर ली गई हो। 10.2 (क) छा? को चेतावनी दी जाएगी यद उसे कसी छमाही म@ 2.00 के बराबर से कम एसपीआई ाQ होती है। (ख) 3.00 क एसपीआई/4.00 क सीपीआई या उससे कम ाQ करने वाले छा? को शैक्षणिक परीवीा पर रखा जाएगा। शैक्षणिक परवीा पर रखे गए छा? को संकाय सलाहकार क सलाह के अनुसार कम संया म@ Yेडिस लेने हगे। लगातार दो छमाही म@ 4.00 या अधिक के एसपीआई/ सीपीआई ाQ करने पर छा? क शैक्षणिक परवीा समाQ कर दी जाएगी। 11.1 छा? के दश न के आधार पर, छमाही के अंत म@) येक छा? को)येक विषय के लिए एक िनणा यक अर बेड दान कया जाता है। अर बेड और संबंधित बेड अंक इस कार हH: संथान से अथायी िनकाशन

चेतावनी, शै,िक परवीा और पाम से िनकाशन

ेडग णालीबेड अंक AA 10 AB 9

इसके अलावा, दो संYमणकालीन बेड I और X हगे। 11.2 कसी भी छा? के लिए यह माना जाता है क उसने कसी विषय को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और उसने Yेडिट अKजत कर लिया है, यद वह उस विषय म@ I, X या F के अलावा अपय कोई अर बेड ाQ करता है। कसी भी विषय म@ “F” अर बेड ाQ करने का मतलब है क वह उस विषय म@ वह अनुसीण है। (क) कसी भी विषय का शिथक कसी भी छा? को बेड 'I' दान कर सकता है, यद िनह कारणवश अंतिम छमाही परीा म@ वह अनुपिथत रहने को मजबूर हो : (i) ऐसी बीमारी या दुघटना जिसे वह परीा म@ बैठने म@ अम हो। (ii) परीा के समय पसरवार म@ कई ऐसी आपदा का घटत होना जिसके कारण संथान क राय म@, छा? का पसरसर से दूर रहना आवक था। कोई छा? को केवल तभी बेड 'I' ाQ करने केयो य माना जाएगा यद काXम@ उसक उपिथित और मूयांकन के अपय घटक+ म@ उसका दश न पूण और संतोषजनक हो। (ख) कसी भी विषय का शिथक कसी भी छा? को बेड 'X' दान कर सकता है यद पामYम म@ छा? का समब दश न अछा रहा हो, लेकिन अंतिम छमाही क परीा म@ उसक बेड 'F' ाQ करने क संभावना हो। (ग) शिथक+ (ारा दान कए जाने वाले सभी 'I' और 'X' बेड को मेकअप परीा के बाद अर बेड म@ बदल दया जाएगा। अंतिम छमाही परीाX के तुरंत बाद एक मेकअप परीा आयोजित क जा सकती है, या कसी विषय के लिए पूरक परीा का उपयोग मेकअप परीा के ऒप म@ कया जाएगा। मूयांकन म@ पूरक परीा का उपयोग कए जाने के बावजूद बेड पर कसी कार का कोई ितबंध नह होगा (धारा 12 देख@) 11.4)येक छमाही के लिए एक छमाही दश न सूचकांक (SPI) क गणना क जाएगी। SPI क गणना इस कार क जाएगी:
$$SPI = (C1 \cdot G1 + C2 \cdot G2 + C3 \cdot G3 + \dots + Cn \cdot Gn) / (C1 + C2 + C3 + \dots + Cn)$$
 जहां, n छमाही के दौरान पंजीकृत पामYम+ क संया है, Ci कसी विशेय पामYम के लिए आवंटित Yेडिट क संया है, और Gi पामYम हेतु दए गए बेड के अनुऒप बेड पॉइंट है। 11.5 एक संचयी दश न सूचकांक (सीपीआई) क गणना)येक छमाही के अंत म@ क जाएगी और एसपीआई और उस छमाही म@ उनके (ारा ाQ बेड सहित छा?+ को सूचित कया जाएगा। सीपीआई पहले छमाही से लेकर छमाही के अंत तक छा? का संचयी दश न होता है, जिसे वह संदKभत करता है, और इसकगणना इस कार क जाएगी:
$$CPI = (C1 \cdot G1 + C2 \cdot G2 + C3 \cdot G3 + \dots + Cm \cdot Gm) / (C1 + C2 + C3 + \dots + Cm)$$
 जहां, n छमाही के दौरान पंजीकृत पामYम+ क संया है, Ci कसी विशेय पामYम के लिए आवंटित Yेडिट क संया है, और Gi पामYम हेतु दए गए बेड के अनुऒप बेड पॉइंट है। जब भी कोई छा? कसी छमाही म@ कसी कोस को

दोहराता है या ितथापित करता है, तो पामYम म@ उसके ारा ाQ िनह बेड को उस छमाही के बाद से सीपीआई क गणना म@ अनदेखा कर दया जाएगा।संमणकालीन ेड I I I I और BB 8 BC 7 CC 6 CD 5 DD 4 F 0

¹Hk kx II μ[k.M 3(ii)^o Hk kjr dk jkti=k % vlk/kj.k 295

11.6 एसपीआई और सीपीआई दोन+ को दशमलव के दूसरे थान पर राउंड ऑफ कया जाएगा और वैसे ही दज कया जाएगा। जब भी इन सीपीआई का उपयोग छा? -समूह क मे&रट R H,, कग िनधा &रत करने के उqे<य से क जाएगी, केवल राउंड ऑफ वैयू का ही उपयोग कया जाएगा। 11.7 जब कसी छा? को कसी छमाही के दौरान कसी भी कोस के िलए बेड 'I' या 'X' ाQ होता है, तो उस छमाही के िलए एसपीआई और उस छमाही के अंत म@ सीपीआई क गणना 'I' और 'X' बेडेड कोस क अनदेखी करते ,ए अथायी Oप से क जाएगी। 'I' और 'X' बेड को उचित बेड म@ बदलने के बाद और खाते म@ प&रवKतत बेड दज के बाद उस छमाही के िलए एसपीआई और सीपीआई क अंतिम Oप से पुनग णना क जाएगी। 11.8 हालांकि, पूव [ातक काय Yम+ के िलए कुछ अपय शै>णिक आव<यकताएं हH जहां छा? को दो बेड दान कए जाएंगे, जैसे- 'पीपी' - उSीण और 'एनपी' - अनुSीण । सभी गैर-Yेडिट िवषय (जैसे शारी&रक िश>ण / एनसीसी / एनएसओ / एनएसएस, औगिक िश>ण, >े? -मण और अित&र_ शै>णिक गितिविधयाँ) इस तेणी के हH। कुछ येडिट आधा&रत पामYम+ को पीपी-एनपी िवकप के साथ भी पेश कया जासकता है। इन बेड+ का संबंध कसी बेड पॉइंट से नह□ है और इन िवषय+ म@ दश न को एसपीआई या सीपीआई क गणना म@ शामिल नह□ कया जाता है। हालांकि, डिबी का दान कया जाना ऐसे सभी िवषय+ म@ 'पीपी' बेड ाQ करने के अधीन है। 11.9 संकाय सलाहकार कसीछा? को ऑडिट कोस म@ पंजीकरण कराने क अनुमित दे सकता है, बशत□ कोस िश>क इसक अनुमित दे। बेड काड म@ पामYम के नाम के साथ "एयू" शब्द िलखा जाएगा। ऑडिट पामYम और बेड "एयू" के िलए येडिट और बेड अंक नह□ हH। उSीण या अनुSीण किथित को बेड काड म@ "पीपी" यानी उSीण और "एनपी" यानी अनुSीण के Oप म@ दशा या जाएगा। हालांकि, कसी छा? को एक अनुSीण ऑडिट कोस म@ उSीण होने के िलए फर से पंजीकरण कराने क आव<यकता नह□ है। Fेड और पाम क2 पुनरावृ7 12.1 कसी भी िवषय म@ (वैकिपक और योगशाला Zावहा&रक के अलावा) बेड 'F' ाQ करने वाले छा?+ को उस पामYम म@ अनुSीण माना जाएगा। पामYम म@ उSीण होने के िलए छा? के पास तीन िवकप ह+गे: 1. जब पामYम क पेशकश हो छा? िनयिमत छमाहीम@ अपना पंजीकरण करके पामYम दोहरा सकता है। 2. जब इसक पेशकश हो, छा? बी&मकालिक छमाही म@ इसके िलए पंजीकरण करके पामYम दोहरा सकता है। 3. छा? उस िवषय क पूरक परी>ा म@ बैठ सकता है। इस तरह क एक पूरक परी>ा िनयिमत छमाही क शुआत म@ आयोजित क जाएगी, जो उस परी>ा के बाद आयोजित क जाएगी िजसम@ छा? "F" बेड ाQ करता है। यद यह िवकप छा? ारा चुना जाता है, तो इस परी>ा म@ दश न के आधार पर ही बेड तय कया जाएगा। हालांकि, इस िवकप के मा3यम से उस छा? को ाQ होने वाला उ=तम बेड सी.सी. होगा। कसी कोस म@ फेल हो जाने पर उसके िलए पूरक परी>ा क अधिकतम अवसर+ क संया दो है। यद छा? इन दो पूरक अवसर+ के बावजूद पामYम को समाQ करने म@ िवफल रहता है तो उसे पामYम को दोहराना होगा। यद छा? दोहराने के बाद भी पामYम म@ िवफल रहता है, तो उसे फर से दो पूरक परी>ाX म@ बैठने का मौका दया जाएगा और जब तक छा? पामYम उSीण नह□ कर लेता, तब तक यह चY चलता रहेगा। 12.2 कसी वैकिपक िवषय म@ बेड 'F' ाQ करने वाले छा? या तो एक पूरक परी>ा का िवकप चुनसकते हH, जब इसकपेशकश क जाए, या फर कसी ऐसे पामYम म@ पंजीकरण कर सकते हैं िजसे अधिका&रय+ (ारा समक> वैकिपक िवषय माना गया हो (वही िवषय भी हो सकता है)। 12.3 योगशाला / Zावहा&रक िवषय म@ िवफलता के मामले म@, छा? अगले उपयु_ छमाही म@ इसके िलए फर से पंजीकरण करे। 12.4 जब कोई छा? कसी पामYम के िलए पंजीकरण करता है, तो उसके बेड का उपयोग उस छमाही म@ एसपीआई कगणना के िलए कया जाएगा। दोबारा कोस करने या पूरक परी>ा देने वाले छा? को उसी कोस के िलए दो बेड िमल@गे। पूरक परी>ा के बेड अलग से दखाए जाएंगे, िजस तरह बी&मकालीन पामYम के बेड दखाए जाने हH। सीपीआई गणना के िलए उस पामYम के दो बेड+ म@ से (पुराने और नए) बेहतर बेड मापय होगा।

13.1 शीतकालीन छमाही के अंत म@ 5.0 से कमसीपीआई ाQ करने वाले छा?+ के िलए पूरक परी>ाX का िवकप होगा, िजनम@ से अधिकांश म@ उपह+ने DD बेड ाQ कया है। यद वे पूरक परी>ा म@ िवफल होते हH, तो DD बेड बना रहेगा; अपयथा इसे पूरक परी>ा म@ ाQ बेहतर अ>र बेड ारा ितथापित कया जाएगा। दश?न का मूयांकन 14.1 संपूण छमाही के दौरान छा? के दश न का िनरंतर मूयांकन होता रहेगा और

संबंधित शिक्का या इस उद्देश्य के लिए नियुक्त उपयुक्त समित (ारा निम्नलिखित आधार पर बेंड दान कया जाएगा: (क) पाम के मामले में; छमाही परीक्षा के आधार पर कया जाएगा, और परीक्षा/मौखिक परीक्षा के आधार पर कया जाएगा। (ख) परियोजना के काय का मूल्यांकन पय वेक, संगोष्ठी, परियोजना निवेदन और परियोजना मूल्यांकन समितय के मूल्यांकन (ारा संपे गए काय के आधार पर होगा। (ग) अपय आवश्यकता जैसे सेमिनार, अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियाँ आद के मामले में मूल्यांकन का निधारण बेंड दान करने वाले अधिकारी (ारा कया जाएगा। (घ) मध्य-छमाही और अंत-छमाही परीक्षा का आयोजन संधान के शैक्षणिक अनुभाग (ारा) येक छमाही में कया जाएगा। हर सैरांति क पाठ्यक्रम में मिड छमाही और एंड छमाही क परीक्षा होगी। परीक्षा क अविध सीनेट (ारा समय-समय पर निधारण करत क जाएगी। कसी भी पाठ्यक्रम क परीक्षा अपकालीन अविध में नह हो सकती है। संबंधित शिक्का (ारा कक्षा-परीक्षा या बोडरी आयोजित कए जाएंगे। (ड) मूल्यांकन हेतु विभागागत क के भार क घोषणा संबंधित शिक्का (ारा छमाही क शुआत में क जाएगी। (च) मध्य-छमाही परीक्षा में छात्र के दशन के परणाम शिक्का (ारा घोषित कए जाएंगे। मूल्यांकन में कसी सुधार क अनुमित देने के लिए निम्नलिखित यया का अनुपालन कया जाएगा: से कसी एक के दौरान या कसी विशेष स के दौरान उपलब्ध कराया जाएगा, जैसा शिक्का (ारा उचित समझा जाए; पाठ्यक्रम शिक्का छात्र क जानकारी के लिए प से संबंधित मॉडल उडर वेबसाइट के माध्यम से दकशत कर सकते हैं; और इसके बाद कसी कार के दावे पर विचार नह कया जाएगा। (छ) विषय से संबंधित शिक्का अपने विषय के अंतिम बेंड अंत-छमाही परीक्षा के बाद शैक्षणिक कैलेंडर में निधारण करत तिथि के भीतर अपने विभागाध्य को स-प द तांक वे उसे सहायक रिजॉर (शैक्षणिक) को षित कर सक। 14.2 परियोजना का मूल्यांकन आम तौर पर परियोजना का काम दो चरण में होता है,) येक चरण को एक छमाही दया जाता है। पहले चरण के अंत में, आंतरिक परियोजना मूल्यांकन समित (ारा मूल्यांकन हेतु निधारण करत तिथि तक छात्र को अपने काम का अंशिक निवेदन तुत करना आवश्यक है। आगामी छमाही में काम का दूसरा चरण जारी रहता है। i). सैरांति क पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन का निधारण शिक्का के मूल्यांकन, बोडरी, मिड छमाही परीक्षा और अंतिम ii). योगशाला पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन का निधारण उपस्थित, स-पे गए काय के मूल्यांकन और अंतिम छमाही

i). छात्र के थल स)यापन के लिए, मूल्यांकन उडर पुतिका को डायायन कक्षा / योगशाला कक्षा /

पूटोरयल में ii). छात्र (ारा उडर पुतिका के स)यापन के लिए अधिसूचित क गई समय-अनुसूची से कम से कम एक सप्ताह पहले,)येक iii). शिक्का (ारा मूल्यांकन में, ई विसंगितय को, यद कोई हो, छात्र मौके पर ही इंगित करगे; iv). उडर पुतिका का मौके पर स)यापन हो जाने के बाद, छात्र को अपनी उडर पुतिकाएँ ले जाने क अनुमित होगी; DD" ेड म9 सुधार हेतु पूरक परीक्षा

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % v[k/kj.k 297

(ख) पहले चरण क भाँति परियोजना काय के दूसरे चरण का मूल्यांकन भी उसी तरह कया जाता है। हालांक, दूसरे चरण में छात्र को परीक्षा के लिए निवेदन क अनबाउंड तियां जमा करनी आवश्यक है। मौखिक परीक्षा के सफल समापन पर,)येक छात्र को परियोजना निवेदन क एक-एक सही बाउंड तियां विभाग और पय वेक (X) को जमा करना आवश्यक है। (ग) जो पहले चरण के मूल्यांकन में असफल रहते हैं, उपह आगामी छमाही में पहले चरण के लिए फर से पंजीकरण करना होगा। इसी तरह, जिह अंतिम (दूसरे चरण) मूल्यांकन में 'F' बेंड ाक होता है, उपह आगामी छमाही (बीमकालीन छमाही सहित) में इसके लिए फर से पंजीकरण करना होगा। (घ) अपया Q गित वाले छात्र के लिए चाहे वह दो चरण क परियोजना के दूसरे चरण में हो या एकल चरण परियोजना में हो, गकमय क छुाी में समय का वितार, जिसक अविध परियोजना निवेदन तुत करने क अंतिम तिथि से दस सप्ताह से अधिक न हो, वीकार क जा सकती है। ऐसे मामल में, संबंधित छात्र को अथायी ाप से 'F' बेंड दान कया जाएगा। इसके अलावा, यद निवेदन अनुमत अविध के भीतर तुत नह

क जाती है, तो 'F' बेंड वतः ही 'F' बेंड में बदल जाएगा। अर ेड दान (कए जाने क प 14.3 शैक्षणिक कैलेंडर में निधारण तिथि तक शिक्का शैक्षणिक अनुभाग को अर बेंड क एक ति तुत करगे। 14.4 अंत-छमाही परीक्षा क उडर पुतिकाएं और बेंड में परवतत अंक के विवरण वाली शीट संबंधित शिक्का (ारा एक छमाही क अविध तक के लिए संरित रखा जाएगा। गया है, तो यह सुनिश्चित करने के लिए क उसक उडर पुतिका के सभी रंक का मूल्यांकन उचित ाप से कया गया है, वह अगले छमाही क शुआत के एक सप्ताह के भीतर पाठ्यक्रम के शिक्का से अंत परीक्षा क उडर पुतिका दखाने का अनुरोध कर सकता/सकती है। बेंड में कसी भी परवतन के मामले में, शिक्का उचित औचयता के साथ विभागाध्य के माध्यम से शैक्षणिक

समपवयक को सूचित करे। 15.1 निम्नलिखित कारण+ से कसी छा? को अंतिम छमाही परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है: (क) यदि उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई हो। (ख) शिक्षक क सिसफाई पर, यदि छमाही के दौरान जायान / फोटो रोल / टूट्टियो / ै

टकल का X में उसका उपस्थित प्रयुक्ततम निधा औरत संया से कम हो। मेक-अप परीक्षाएं 16.1 वे छा? जो वैध कारण+ से अंतिम छमाही परीक्षा देने से चूक गए हैं और जिन्हें "I" बेंड दान किया गया हो, वे मेकअप परीक्षा में बैठने के पाए हैं, जिसका आयोजन अंतिम छमाही परीक्षा के कुछ दिनों बाद किया जा सकता है। वैकिपक ओप से, पामयम का पूरा परीक्षा का उपयोग मेकअप परीक्षा के तौर पर किया जा सकता है। 16.2 मिड छमाही परीक्षा और ' ज के लिए कोई मेकअप परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। यह पूरी तरह से अनुदेशक पर निर्भर करता है कि वह छा? की वीणा का पता लगाने हेतु जो भी उसके लिए उपयुक्त समझे वह जरूर अपनाए, यदि छा? छा? मामले का मामाणिकता से संतुष्ट है। 17.1 बेंड को तब रोका जाता है जब छा? ने कसी बकाये का भुगतान न किया हो या जब उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित हो। 18.1 कसी छा? को बी.टेक की डिग्री प्राप्त करने के योग्य घोषित किया जाएगा अगर उसने: (क)) एक विषय (सैरांनितिक, योगशाला, टूट्टियो, काय शाला, जावसायिक आद), संगोष्ठी, परियोजना आदि में "DD" या उ-बेंड के साथ डिग्री सभी येंडिट आवकता X को पूरा कर लिया हो; परीक्षाएं

ेंड रोकना बी. टेक. क 2 डिग्री में हेतु पाठ्य

पहले से दान (किए गए ेंड में बदलाव: यदि कसी छा? को लगता है कि उसे पामयम में योग्य बेंड दान नहीं किया (ख) डिग्री की सभी गैर-येंडिट आवकता X, जैसे- अंतर शैक्षणिक गतिविधियाँ, औद्योगिक शिक्षण, आदि (यदि कोई हो) को संतोषजनक ढंग से पूरा कर लिया हो; (ग) संधान, विभाग, छा?वास, एनसीसी, एनएसएस और एनएसओ का कोई बकाया न हो; तथा (घ) उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित न हो। 18.2 बी.टेक की डिग्री दान करने हेतु सीनेट की अनुशंसा और संधान के शासी मंडल का अनुमोदन आवश्यक है। 19.1 क. में से अनुपस्थित क 2 छा? के लिए जुमाना: पूर्व अनुमित के बिना संधान से अनुपस्थित रहने वाले छा? पर प्रतिदिन 1000.00 रूपए की दर से जुमाना लगाया जाएगा। 19.2 पंजीकरण में विलंबता के लिए जुमाना: देर से पंजीकरण करने वाले छा? पर विलंब पंजीकरण शुल्क लगाया जाएगा। "अंतिम तिथि" निधा औरत की जाएगी और विलंब पंजीकरण शुल्क दर निधा औरत की जाएगी जो समय-समय पर परवर्तित होती रहेगी (वर्तमान में 5000/- है)। जैसा कि परिस्थितियों के आधार पर शासन द्वारा तय किया गया है, नियत तारीख के बाद और "अंतिम तिथि" को या उससे पहले पंजीकरण करने वाले छा? को 5000/- तक का जुमाना देना होगा। "अंतिम तिथि" के बाद पंजीकरण करने वाले कसी भी छा? को पंजीकरण करने की अनुमित नहीं दी जाएगी और उसका छमाही "खाता" कर दिया जाएगा। (चिक) सा आधार पर काफ़ी अपवाद को सीनेट के अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। विभागीय पूर्व प्रोक्त 20.1 संधान के विभागा शैक्षणिक काय यम के बंधन और निगरानी के लिए, एक विभाग में एक पूर्व प्रोक्त को कामेटी का गठन किया जाना है जहाँ इस तरह के पामयम होते हैं। छास पर जुमाना

i. ii iii. विभाग के सभी [ातक पांमयम+ के संचालन क देखरेख करना और यह सुनिश्चित करना क काय यम+ से संबंधित अउयादेश+ का पालन कया जा रहा है। यह सुनिश्चित करना क विभाग (ारा तावित पांमयम+ म@ उचित शैक्षणिक मानक+ को कायम रखा जा रहा है। शैक्षणिक मामल+ म@ छा?+ के अनाचार संबंधी मामल+ पर विचार करना जो पांमयम

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 299

ii iii. iv. v. of the Indian Institutes of Information Technology (Public-private Partnership) Act, 2017 (23 of 2017), the Senate with the approval of the Board of Governors, make the following Ordinances of Indian Institute of Information Technology, Guwahati. **S.O. 3821(E).**—In exercise of the powers conferred by section 33 read with section 34 (1) (2) and (3) बैठक+ के लिए काय सूची तैयार करना और बैठक+ के काय वृत्त तैयार करनायूजी काय यम+ म@ छा?+ के शैक्षणिक दश न पर नज़र रखना, और आवश्यकतानुसार डीयूपीसी म@ मामले को तुट करना। विभाग (ारा पेश कए गए पांमयम+ पर छा?+ से ाQ तितयया का समपवय करनासुखबीर सह संधू, अपर सिचव (त.िश.) [फा. सं. 52-2/2017-टीएस.1]

B.Tech Programme Ordinances

- 1.All B. Tech. programmes offered by the Institute shall be governed by these B.Tech Ordinances.
- 2.The B. Tech Ordinances shall be applicable to any new discipline(s) under these programmes that may be introduced in future.
- 3.A student becomes eligible for the award of the B.Tech degree after fulfilling all the academic requirements as prescribed by these Ordinances.
- 4.The Institute shall have the following B.Tech branches:
 - Computer Science Engineering (CSE)
 - Electronics and Communication Engineering (ECE)

ACADEMIC CALENDAR

- 1.1Each academic session is divided into two semesters of approximately eighteen weeks duration (with at-least seventy working days for classes in each semester): a Monsoon semester and a

Winter semester. 1.2In addition, there may be a semester during the summer break, called a summer semester.

1.3The Senate approved schedule of academic activities for a session, inclusive of dates for registration, mid-semester and end-semester examinations, inter-semester breaks etc, shall be laid down in the Academic Calendar for the session.

ADMISSION

2.1The number of seats in each branch of the undergraduate programme for which admission is to be made in the IIIT Guwahati will be decided by the Senate of IIIT Guwahati. Seats are reserved for candidates belonging to Other Backward Classes, Scheduled Castes, Scheduled Tribes, physically challenged candidates as per the decisions of Government of India from time to time.

2.2Admission to the B.Tech programme in any year will be based as per orders from the Government of India. Currently there are based on performance in the Joint Entrance Examination (JEE) Main and HSC examinations as per Central Board of Secondary Education (CBSE) guidelines through a counselling conducted by the CSAB for the respective year.

2.3Every student, admitted provisionally or otherwise to any Programme of the Institute, shall submit copies of the qualifying degree/provisional certificate and such other documents as prescribed by the Senate. These documents must be submitted by the prescribed date.

The admission, provisional or otherwise, of any student who either does not submit the required documents by the stipulated date or fails to meet any other stipulated requirement for admission can be cancelled by the Senate.

2.4The admission of any student may also be cancelled by the Senate, at any later time, if it is found that the student had supplied some false information or suppressed some relevant information while seeking admission.

2.5The Institute reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/ her studies at any stage of his/her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or on disciplinary grounds.

ATTENDANCE

3.1(a) Students are required to attend all the classes (Lectures, Tutorials, Laboratories, Practical, Workshops etc) for which they have been registered.

(b) Students will have to attend all classes. A student may be debarred from appearing in an end semester examination if his/her attendance falls below 75 percent and will then be awarded an “F” grade in that course.

LEAVE OF ABSENCE

3.2(a) Students are not expected to be away from the Institute during a semester.

(b)Students may be granted permission to leave for unavoidable occasions like death in the immediate family circle. Such leave will in no case exceed one week.

(c)Absence due to illness not exceeding three weeks will be allowed after taking due permission. Due to emergencies, such permission may be taken later, and by the guardian if necessary.

(d)If the period of absence in a semester exceeds three weeks, the student will have to drop the semester by dropping all courses he /she has registered for. The Senate may allow longer absences only in special circumstances and only after ascertaining the student’s ability to make up for the lost time.

(e)The leave of absence as per Clauses 3.2 (a) to 3.2 (d) will not be condoned for attendance.

3.3It will be the responsibility of the student to intimate the Warden of the hostel in which he/she is residing, and the concerned instructors regarding his/her absence before proceeding on leave.

CONDUCT AND DISCIPLINE

4.1 Students shall conduct themselves within and outside the precincts of the Institute in a manner befitting the students of an institution of national importance.

CHANGE OF BRANCH

5.1 Normally a student admitted to a particular branch of the undergraduate programme will continue studying in that branch till completion.

5.2 However, in special cases the Institute may permit a student admitted through CSAB to change from one branch of studies to another after the first two semesters. Such changes will be permitted, in accordance with the provisions laid down hereinafter.

5.3 Only those students will be considered eligible for change of branch/programme after the second semester, who have completed and passed all the common credits required in the first two semesters of their studies in their first attempt.

5.4 Applications for a change of branch/programme must be made by intending eligible students in the prescribed form. The academic section will call for applications at the end of second semester of each academic year and the completed forms must be submitted by the last date specified in the notification. 5.5 Students may enlist their choices of branch/programme, in order of preference, to which they wish to change over. It will not be permissible to alter the choices after the application has been submitted.

5.6 Change of branch/programme shall be made strictly in order of merit of the applicants. For this purpose the CPI obtained at the end of the second semester shall be considered. In case of a tie, the JEE rank of the applicants will be considered.

5.7 The applicants may be allowed a change in branch/programme, strictly in order of inter se merit, subject to the limitation that the strength of a branch should not fall below the existing strength by more than ten percent and should not go above the sanctioned strength by more than ten percent.

5.8 All changes of branch/programme made in accordance with the above rules will be effective from the third semester of the applicants concerned. No change of branch/programme shall be permitted after this. 5.9 All changes of branch/programme will be final and binding on the applicants. No student will be permitted, under any circumstances, to refuse the change of branch/programme offered.

COURSE STRUCTURE

6.1 Teaching of the courses shall be reckoned in credits; Credits are assigned to the courses based on the following general pattern:

- i. Two credits for each lecture period
- ii. Two credits for each tutorial period
- iii. One credit per hour for each Laboratory or Practical or Project session.

6.2 In order to qualify for a B. Tech. degree of the Institute, a student is required to complete the credit requirement as prescribed in the curriculum for a particular programme.

6.3 No semester will normally have more than six lecture based courses and four laboratory courses. However, in special cases, students may be permitted to take seven lecture-based courses.

6.4 The course work requirements may be broadly divided into following four main groups of courses:

- i. Humanities and Social Sciences
- ii. Science and Mathematics
- iii. Common Engineering courses
- iv. Professional courses

6.5 The total course package for a department will consist of the following components :

- i. Common Engineering courses
- ii. Departmental Core courses
- iii. Departmental Elective courses
- iv. Institutional Elective courses (including HSS electives)

6.6 Every B. Tech. Programme will have a curriculum and syllabi for the courses approved by the Senate. 6.7 Medium of instruction, examination and project reports will be in English.

6.8 Faculty Advisor: To help the students in planning their courses of study and getting general advice on the academic programme, the concerned department will assign a Faculty Advisor to each student.

REGISTRATION

7.1 Every student is required to register for approved courses through the assigned Faculty Advisor at the commencement of each semester on the day fixed for such registration and notified in the Academic Calendar. The registration of one or more courses may be cancelled if they are found to violate some rules or if there are restrictions imposed due to disciplinary reasons.

7.2 Students failing to register by the deadline will have deemed to have withdrawn for the semester from the programme and the future course of action will be based on the student's status and the provisions of these Ordinances.

7.3 Only those students will be permitted to register who have
 a. cleared all Institute, Hostel and Library dues and fines (if any) of the previous semesters,
 b. paid all required advance payments of Institute and Hostel dues for the current semester,
 and c. not been debarred from registering on any specific ground.

7.4 During registration following conditions must be fulfilled :

a. A student must pass all first year courses before registering for the third year courses.
 b. Normally, the number of credits registered for during a semester should not be less than 70% of the prescribed credits and should not exceed 125%.

7.5 Students may add and drop course(s) with the concurrence of the Faculty Advisor, and under intimation to the concerned course instructors and the academic section provided this is done within the date mentioned in the Academic Calendar and as per the conditions given in clause 7.3 above.

DURATION OF THE PROGRAMME

8.1 Normally a student shall complete all the requirements for the undergraduate programme in eight consecutive semesters. However a student must complete the programme in at most 14 regular semesters in each of which the student registers for at least one course, the total time elapsed must not exceed 8 years. If either of these limits is crossed, the student's studentship in the programme will be terminated.

TEMPORARY WITHDRAWAL FROM THE INSTITUTE

9.1 A student who has been admitted to an undergraduate programme of the Institute may be permitted to withdraw temporarily from the Institute on the grounds of prolonged illness or grave calamity in the family for a period of one semester or more, provided:

a. he/she applies to the Institute within at least 6 weeks of the commencement of the semester or from the date he last attended his/her classes whichever is later, stating fully the reasons for such withdrawal together with supporting documents and endorsement of his/her guardian;
 b. the Institute is satisfied that, counting the period of withdrawal, the student is likely to complete his/her requirements of the B. Tech. Degree within the time limits specified in Clause 8 above;
 c. there are no outstanding dues or demands in the Institute/ Hostel /Department/Library.

9.2 A student who has been granted temporary withdrawal from the Institute under the provisions of Clause 9.1 will be required to pay fees/charges (except tuition fees and hostel dues) till such time as his/her name is on the Roll List. However, fees once paid will not be refunded.

9.3 Normally, a student will be permitted only two such temporary withdrawals during his/her tenure as a student of the undergraduate programme.

WARNING, ACADEMIC PROBATION AND TERMINATION FROM THE

PROGRAMME 10.1 A student's studentship in a programme may be terminated on the

following grounds: a.If a student is absent for more than 6 (six) weeks in a semester without sanctioned leave.

b.A decision is taken on disciplinary grounds.

c.On having been found to have produced false documents or having made false declaration at the time of seeking admission.

d.Failure to attain a CPI as follows:

i)CPI of 1.50 at the end of one year in the programme,

ii)CPI of 2.00 at the end of two years in the programme,

iii)CPI of 2.50 at the end of three years in the

programme and iv)CPI of 3.00 at the end of the fourth year in the programme.

e.The maximum permissible duration of the programme has been exceeded.

10.2a. Warning is to be issued to a student if he /she gets an SPI of less than equal to 2.00 in any semester.

b.A student getting an SPI of 3.00 / CPI of 4.00 or less will be placed on academic probation. A student on academic probation will have to take less number of credits as per the advice of the faculty advisor. A student will come out of academic probation on getting an SPI /CPI of 4.00 or more in two consecutive semesters.

GRADING SYSTEM

11.1Based on the performance of a student, each student is awarded a final letter grade in each subject at the end of the semester. The letter grades and the corresponding grade points are as follows :

Grade	Point
AA	10
AB	
9	BB 8
BC	7
CC	6
CD	
5	DD 4
F	0

In addition, there shall be two transitional grades I and X.

11.2A student is considered to have completed a subject successfully and earned the credits if he secures a letter grade other than I, X or F in that subject. A letter grade F in any subject implies a failure in that subject.

11.3The Transitional Grades I and X

a.The teacher of a subject may award the grade 'I' to a student if the latter was compelled to absent himself from the end semester examination on account of: (i) Illness or accident which disabled him from appearing at the examination. (ii) A calamity in the family at the time of the examination, which, in the opinion of the Institute, required the student to be away from the campus. A student will be eligible for the award of grade 'I' only if his/her attendance at classes and performance in other components of assessment are complete and satisfactory.

b.The teacher of a subject may award the grade 'X' to a student if the overall performance of the student in the course is good, but is likely to get grade 'F' based on his/her end semester examination.

c.All 'I' and 'X' grades awarded by teachers will be converted to a letter grade after a make-up examination. There may be a make-up examination shortly after the end semester examinations, or the supplementary examination for the subject will be used as the make-up examination.

There will be no restrictions on grades even though the supplementary examination is being used in evaluation (see section 12).

11.4A Semester Performance Index (SPI) will be computed for each semester. The SPI will be calculated as follows:

$$SPI = (C_1 * G_1 + C_2 * G_2 + C_3 * G_3 + \dots + C_n * G_n) / (C_1 + C_2 + C_3 + \dots + C_n)$$

where, n is the number of courses registered during the semester,

C_i is the number of credits allotted to a particular course, and

G_i is the grade points corresponding to the grade awarded for the course.

11.5A Cumulative Performance Index (CPI) will be computed at the end of each semester and communicated to the students along with the SPI and the grades obtained by them for that semester.

The CPI gives the cumulative performance of the student from the first semester up to the end of the semester to which it refers, and will be calculated as follows:

$$CPI = (C_1 * G_1 + C_2 * G_2 + C_3 * G_3 + \dots + C_m * G_m) / (C_1 + C_2 + C_3 + \dots + C_m)$$

where, m is the number of courses registered up to that semester,

C_i is the number of credits allotted to a particular course, and

G_i is the grade points corresponding to the grade awarded for the course.

Whenever a student repeats or substitutes a course in any semester, the lower grade(s) obtained by him/her in the course is to be ignored in the computation of CPI from that semester onwards.

11.6 Both SPI and CPI will be rounded off to the second place of decimal and recorded as such.

Whenever these CPI are to be used for the purpose of determining the merit ranking of a group of students, only the rounded off values will be used.

11.7 When a student gets the grade 'I' or 'X' for any course during a semester, the SPI for that semester and the CPI at the end of that semester will be tentatively calculated ignoring 'I' and 'X' graded course(s). After conversion of 'I' and 'X' grade(s) to appropriate grade(s), the SPI and CPI for that semester will finally be recalculated after taking the converted grade(s) into account.

11.8 There are, however, a few other academic requirements for undergraduate programmes where student will be awarded following two grades viz., 'PP' - Passed and 'NP' - Not Passed. All non-credit subjects (such as Physical Training/NCC/NSO/NSS, industrial training, field visits and Extra Academic Activities) belong to this category. Some credit based courses may also be offered with the PP-NP option. No grade points are associated with these grades and performance in these subjects is not taken into account in the calculation of the SPI or CPI. However, the award of the degree is subject to obtaining a 'PP' grade in all such subjects.

11.9 The faculty advisor may permit a student to register for an audit course provided the course instructor allows auditing a course. The word "AU" shall be written alongside the Course Name in the Grade Card. The audit course & the grade "AU" shall not carry any credits and grade points. Pass or fail status will be shown in the grade card as "PP" for passed and "NP" for not passed. However, a student is not required to register again for passing a failed audit course.

THE F GRADE AND REPETITION OF COURSES

12.1 Students obtaining the grade 'F' in any subject (other than an elective and lab practical) will be deemed to have failed in that course. To pass in the course, the student will have three options:

1. The student can repeat the course by registering for it in a regular semester when the course is offered.
2. The student can repeat the course by registering for it in a summer semester when it is offered.

3. The student can sit for a supplementary examination in that subject. Such a supplementary examination will be held at the start of the regular semester following the one in which the student obtained the F grade. If this option is taken by the student, the grade will be decided only on the basis of the performance in this examination. However, the highest grade that a student can get through this option is CC.

The maximum number of times a supplementary examination can be taken after a student fails in a course is two. If the student fails to clear the course in spite of these two supplementary chances, he / she will have to repeat the course. If the student fails the course on repeating it, he /she will again be given a chance to appear in two supplementary examinations and the cycle will repeat till the student passes the course.

12.2 Students obtaining the grade 'F' in an elective subject may either opt for a supplementary examination if it is offered, or register for any course that is deemed by the authorities to be an equivalent elective subject (this could be the same subject).

12.3 In case of failure in Laboratory/Practical subject the student will have to re-register for it in the next appropriate semester.

12.4 When a student registers for a course, his/ her grade will be used for SPI calculation in that semester. A student taking a course again or giving a supplementary examination will get two grades for the same course. The supplementary examination grades will be shown separately, the way summer course grades are to be shown. The better of the two grades (the old and the new) of that course will be considered for CPI calculations.

SUPPLEMENTARY EXAMINATION FOR IMPROVEMENT OF “DD” GRADES

13.1 There will be an option of supplementary examinations for students with a CPI less than 5.0 at the end of a winter semester in at most two courses in which they have obtained a DD grade. In case they fail in the supplementary, the DD grade will remain; else it will be replaced by the better grade obtained in the supplementary examination.

ASSESSMENT OF PERFORMANCE

14.1 There will be continuous assessment of a student's performance throughout the semester and grades will be awarded by the teacher concerned or the appropriate committee appointed for this purpose on the following basis.

a. In case of courses,

I. for theory courses, the evaluation will be based on instructors assessment, quizzes, mid semester examination and end semester examination, and

II. for laboratory courses, the evaluation will be on the basis of attendance, assessment of the tasks assigned and end semester test/viva.

b. The evaluation of the project work will be based on sessional work assigned by the supervisor, seminar, project report and project evaluation committees' assessment.

c. In case of other requirements such as seminar, extra academic activities etc., evaluation will be as determined by the grade awarding authority.

d. The mid-semester and end-semester examination will be conducted centrally by the Academic Section of the Institute every semester. Every theory course must have a mid-semester and an end-semester examination. The durations of the examinations will be as laid down by the Senate from time to time. No course can have an examination of shorter durations. The class-tests or quizzes will be organized by the instructor concerned.

e. The weightage assigned to different components of assessment will be announced by the concerned instructor(s) in the beginning of the semester.

f. The results of performance of the students in the mid-semester examination shall be announced by the instructors. The following process will be followed to allow corrections in evaluations:

- I. for spot verification by students, the evaluated answer scripts shall be made available during one of the lecture classes/lab classes/tutorials or during a special session, as may be deemed fit by the instructor;
- II. at least a week ahead of the notified time-schedule for verification of answer scripts by the students, individual course instructor(s) may display the model answers relating to the question paper, through website for information to the students;
- III. students shall point out discrepancies in the evaluation by the instructor, if any, on the spot;
- IV. after conclusion of the spot verification of answer scripts, the students shall be allowed to carry their answer scripts; and no claim whatsoever shall be entertained afterwards.

g. The final grades for a subject must be submitted after the end-semester examination by the concerned instructor(s) to their Head of Department for onward transmission to the Assistant Registrar (Academic) within the date stipulated in the academic calendar.

14.2 Evaluation of Projects:

- a. The project work is normally in two stages, each spread over a semester. At the end of the first stage, the student is required to submit a preliminary report of his/her work by a prescribed date to be evaluated by an Internal Project Evaluation Committee. The second stage of the work is continued in the following semester.
- b. The second stage of project work is also evaluated in the same manner as in the first stage. However, in the second stage the students are required to submit unbounded copies of the report for examination.
On successful completion of the oral examination, each student will be required to submit corrected bound copies of the project report one each to the department and the supervisor(s).
- c. Those who fail in the first stage assessment will be required to re-register for the first stage in the following semester. Likewise, those who obtain an 'F' grade in the final (second stage) assessment will be required to re-register for it in a subsequent semester (including a summer semester).
- d. For students having insufficient progress either in the second stage of a two stage project or in a single stage project, extension of time in the summer vacation not exceeding ten weeks from the announced last date for submission of the project report may be granted. In such cases, the concerned students will be temporarily awarded an 'I' grade. Further, if the reports are not submitted within the allowed period of time, the 'I' grade will be automatically converted to an 'F' grade.

METHOD OF AWARDING LETTER GRADES

14.3 The instructor(s) shall submit a copy of letter grades to the Academic section, by the due date specified in the Academic Calendar.

14.4 End-semester examination answer scripts and the sheet containing details of marks converted to grades shall be preserved by the instructor(s) concerned for a period of one semester.

14.5 Changes in Grades Already Awarded: If a student feels that he/she has not been awarded a deserving grade in a course, he/she may request the instructor of the course within one week of the start of the next semester, to show him/her the end-semester answer script in order to ensure that all the questions have been evaluated properly. In case of any change in grade, the same with due justification has to be communicated by the Instructor to the Academic Coordinator through the Head of Department.

EXAMINATIONS

15.1A student may be debarred from appearing in the end semester examination due to the following reasons:

- a.If any disciplinary action is taken against him/her.
- b.On recommendation of a teacher, if his/her attendance in the Lecture/Tutorial/Studio/ Practical classes has less than the prescribed minimum during the semester.

MAKE-UP EXAMINATIONS

16.1 Students who have missed an end-semester examination on valid reasons and have been awarded "I" grade are eligible for a make-up examination which may be held a few days after the end semester examinations. Alternatively, a supplementary examination for the course can be used as a make-up examination.

16.2 No make-up examination will be scheduled for the mid-semester examination and quizzes. It is entirely up to the instructor to ascertain the proficiency of the student by whatever means considered appropriate to him/her if he/she is satisfied of the bonafides of the case.

WITHHOLDING OF GRADES

17.1 Grades shall be withheld when the student has not paid his/her dues or when there is a disciplinary action pending against him/her.

ELIGIBILITY FOR THE AWARD OF B. TECH. DEGREE

18.1 A student shall be declared to be eligible for the award of B. Tech. degree if he/she has :

- a.completed all the credit requirements for the degree with a grade "DD" or higher grade in each of the subjects (Theoretical, Laboratory, Studio, Workshop, Sessional etc), Seminar, Project etc;

18.1.1 Hkkx Iµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 307

- b.satisfactorily completed all the non-credit requirements for the degree viz Extra Academic Activities, Industrial Training, etc (if any);
- c.no dues to the Institute, Department, Hostels, NCC, NSS and NSO; and
- d.no disciplinary action is pending against him/her.

18.2 The award of B. Tech. degree must be recommended by the Senate and approved by the Board of Governors of the Institute.

FINE ON STUDENTS

19.1 **Fine for leave of absence from classes:**

A fine of ₹ 1000.00 per day to be imposed on students who are absent from the Institute without taking

19.2 **Fine for late registration:**

DEPARTMENTAL UNDERGRADUATE PROGRAMME COMMITTEE (DUPC)

(i)	Head of the Department (HOD) (ex-officio)	Chairperson
(ii)	Three faculty members to be nominated by the HOD (Note : If faculty strength of a department is less than or equal to four, then all the faculty members will be members of the DUPC)	Members
(iii)	Faculty Member to be nominated by the HOD	Member Secretary
(iii)	One faculty member from another department. The department will be chosen by the committee. The faculty member from the chosen department will be nominated by the HOD	Member
(iv)	One student each, with CPI not less than 7.0 and not subjected to any disciplinary action by the Institute, to be selected by the undergraduate students of the 2nd, 3rd and 4th years.	Members
	Tenure :	
	Two years for faculty members and one year for student members. Tenure of the Secretary shall also be two years.	

	Functions of the Committee:	
(i)	To oversee the conduct of all undergraduate courses of the department, and to ensure that the Ordinances relating to the programmes are being followed.	
(ii)	To ensure proper academic standards are being maintained in the courses offered by the department.	
(iii)	To consider malpractices by students in academic matters referred to DUPC by a course instructor, and to recommend actions to be taken	
(iv)	To consider cases of students not performing as per requirements and to recommend follow up action to be taken on a case-by-case basis	
(v)	To discuss and recommend changes in the syllabi of all undergraduate courses offered by the department from time to time before sending the same to the Senate	
(vi)	To review student feedback (summary data only) of courses and to recommend corrective measures, if any.	
	Functions of the Secretary, DUPC	
(i)	To hold meetings of the DUPC, at least twice in a semester, and as often as required	
(ii)	To prepare agenda for meetings and to prepare Minutes of meetings	
(iii)	To keep track of academic performance of students in the UG programmes, and to put up cases to the DUPC as per need.	
(iv)	To co-ordinate assignment of students to faculty for projects	
(v)	To co-ordinate the feedback from students of the courses offered by the Department	

[F. No. 52-2/2017-TS.I]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Addl. Secy. (TE)

(2017 का 23), क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठित धारा 33 (अ) द्वारा दिये गये का योग करते, ए, , , , शासी बोर्ड के अनुमोदन से सीनेट, , , , भारतीय सूचना तكنولوجिक संस्थान, , , , वडोदरा के निम्नलिखित अध्यादेश बनाती है।

1: शैक्षणिक कैलेंडर 2: वेश 3: उपस्थित अनुपस्थित और अवकाश 4: आचरण और अनुशासन 5: शाखा पदवत न 6: पाठ्यक्रम संरचना 7: पंजीकरण 7.1 पंजीकरण के लिए पाठ्यक्रम 7.2 पाठ्यक्रम पंजीकरण के लिए पाठ्यक्रम 7.3 पूरा पेठित पाठ्यक्रम 7.4 छात्रों से नाम वापसी और पंजीकरण न कर पाने पर निम्नलिखित कासन 8: पाठ्यक्रम ऑडिटिंग 8.1 ऑडिट के लिए पाठ्यक्रम का पंजीकरण 9: पाठ्यक्रम परिवर्धन सूची का.आ. 3822(अ).— भारतीय सूचना तكنولوجिक संस्थान (सावजनिक-निजी भागीदारी)

अधिनियम, , , , 2017 नई दली, , , , 23 अ

तूबर, 2019 अधिसूचना

314 314 314 313 310 310 311 311 312 312 313 313 313 313